Annexure

1. Burroughs-Wellcome
2. May & Baker
3. Roche Products
4. Parke Davis
5. Glaxo Labs
6. Johnson and Johnson
7. Pfizer
8. Wyeth Labs
9. Ciba-Geigy
10. Cyanamid
11. Alkali Chemicals Corporation of India
12. E. Merck
13. Merck Sharp & Dohme
14. Sandoz
15. Boots
16. Richardson Hindustan
17. Bayer
18. Hoechst
19. Warner Hindustan
20. Whiffens Labs
21. Organon
22. Uni-Sankyo
23. Geoffrey Manners
24. Suhrid Geigy
25. Abbott Labs
26. Smith Kline & French
27. Indian Schering
28. Anglo French Drug Co.

SHRI DURGA CHAND: According to the Annexure given in the Statement there are multinationals which have a direct foreign equity of more than 40 per cent. Out of those, 8 companies have been given directive that they should bring down their equity upto 40 per cent. I would like to know from the hon. Minister whether necessary directives have also been issued to other 20 companies to reduce their foreign equity to the level of 40 per cent.

SHRI H. N. BAHUGUNA: The question is related with determination about the technology involved in the manufacture of medicine adopted by these people. The whole question is being looked into by a Committee which the Government has constituted in the wake of Hathi Committee's recommendations. It is called High Technology Committee. It has received the report and it is examining the cases. We will advise the Economic Affairs Department who are the controlling authority for this subject to take necessary steps to reduce the equity as contained in the directions in that particular decision.

SHRI DURGA CHAND: I would like to know from the hon. Minister whether the Government has any proposal to nationalise any other multinational companies.

MR. SPEAKER: All these problems were discussed yesterday. I am not allowing any supplementary on this. Yesterday we discussed this matter.

Manning of News Units in State Capitals

*848. SHRI NATHU SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the A.I.R. have Regional News Units in each State Capital;

(b) whether it is a fact that such Units in Srinagar, Chandigarh, Calcutta and Gauhati are manned by Senior Grade C.I.S. Officers while in Patna, Bhopal, Lucknow and Jaipur the News Units are manned by Junior Grade Officers; and the reasons for manning the units in Bihar, U.P., Madhya Pradesh and Rajasthan with Junior Grade Officers even though these States have larger areas and population; and

(c) when do Government propose to remove this discrimination?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) Yes, Sir, except Arunachal Pradesh, Orissa and Sikkim.

(b) Yes Sir. The criteria for having a News Editor or an Assistant News Editor for manning the Regional News Unit is related to the number of States/Union Territories covered, the number of news bulletins broadcast, the multiplicity of languages in which the news bulletins are broadcast and also the strategic factors of the location of the Regional Units.

(c) There is no discrimination in the matter of the level of the Regional News Units. It is based on specific requirements of each Unit.

श्री नाथू सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उस से मैं संतुष्ट नहीं हूं। इसलिए संतुष्ट नहीं हूं कि राजस्थान वह प्रदेश है जिस का सब से अधिक इंटरनेशनल बोर्डर है और आज भी वहां यह स्थिति है कि बीकानेर, गंगानगर और जैसलमेर में पाकिस्तानी टी वी आराम से देखा जाता है। जयपुर का रेडियो भी वहां से ईजिली नहीं पकड़ा जाता और पाकिस्तान का आराम से पकड़ा जाता है। (व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय : आप का सवाल दूसरा है।

श्री नाथू सिंह : मैं प्रश्न पर आ रहा हूं।

इतना बड़ा प्रदेश और इतनी बड़ी जनसंख्या इसकी है। इसके होते हुए भी यहां और जितने भी हिन्दी स्पीकिंग स्टेट्स हैं, जैसा मैं ने अपने प्रश्न में कहा है कि श्रीनगर, चंडीगढ़, कलकत्ता और गौहाटी में तो सीनियर ग्रेड सी आइ एस अधिकारी हैं और पटना, भोपाल, लखनऊ और जयपुर में जूनियर ग्रेड अधिकारी हैं, तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह इसलिए नहीं है कि ये हिन्दी स्पीकिंग स्टेट्स हैं और वह इंग्लिश स्पीकिंग स्टेट्स हैं (व्यवधान)...

वहां अंग्रेजी बहुत अधिक बोली जाती है और राजस्थान में अंग्रेजी बहुत कम बोली जाती है।

दूसरे, मैं यह जानना चाहता हूं कि इतनी बड़ी पापुलेशन वहां की है और रेडियो स्टेशन वहां पर कम है, आप ने प्रोपोजल रखा है, एक और रेडियो स्टेशन वहां पर खोला जा रहा है, इस को देखते हुए क्या मंत्री महोदय वहां सीनियर आफिसर नियुक्त करेंगे और पूरे देश में समानता लाएंगे इस मामले में ताकि हिन्दी स्पीकिंग स्टेट्स और नान-हिन्दी स्पीकिंग स्टेट्स में कोई अन्तर न रहे ?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष जी, मुझे इस बात का खेद है कि इस प्रश्न में हिन्दी का सवाल लाया गया जबकि इसका इस से कोई संदर्भ नहीं है, कोई रेलेवेंस नहीं है। सारे मुल्क में 35 स्टेशन्स हैं, जहां पर रीजनल लैंगुएज में बुलेटिन्स प्रसारित होते हैं। उन 35 में से केवल 7 ऐसे हैं, जिनमें न्यूज एडिटर के लेविल का आफिसर है और बाकी जो स्टेशन्स हैं उन में एसिसटेन्ट न्यूज एडिटर के लेविल का आफिसर रहता है। इस का आधार यह है कि वह स्टेशन कितने बुलेटिन्स प्रसारित करता है और क्या वह केवल एक स्टेट को सर्व करता है या कई स्टेट्स को सर्व करता है जैसे चंडीगढ़ है, उस की पापूलेशन बहुत कम है लेकिन चंडीगढ़ का स्टेशन हरियाणा को सर्व करता है, चंडीगढ़ की यूनियन टेरीटरी को सर्व करता है और पंजाब को भी सर्व करता है। इसलिए ऐसे स्टेशनों पर जहां पर अधिक भाषाएं हैं और जो कि कई स्टेटों को सर्व करते हैं, न्यूज एडिटर लगाना जरूरी है लेकिन मैं इस बात से परिचित हूं और स्वयं इस बात को अनुभव करता हूं कि अनेक स्थानों पर और ऊंचे अधिकारी लगाने की जरूरत है और जैसे जैसे वहां के लिए वे सैंक्शन होंगे, हम उन को ऐसे स्थानों पर लगाएंगे।

श्री नाथू सिंह : राजस्थान में 1965 में जब पाकिस्तान से लड़ाई हुई थी, उस समय जेसलमेर में एक रेडियो स्टेशन सैंक्शन हुआ था।

MR. SPEAKER: How does it arise? You are on the posting of the senior and junior officers.

श्री नाथू सिंह : मैं उसी विषय पर आ रहा हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि उस के बाद आज तक वहां पर कोई कार्यवाही उस के लिए नहीं हुई।

MR. SPEAKER: But the question should not be wrong.

श्री नाथू सिंह : मैं प्रश्न पर ही आ रहा हूं। आपने कहा है कि अधिक लैंगुएज में जहां बुलेटिन प्रसारित होते हैं, वहां सीनियर आफिसर दिये जाते हैं। राजस्थान में, जोधपुर और जयपुर में राजस्थानी में भी न्यूज ब्रोडकास्ट की जाती है, हिन्दी में भी की जाती है और दूसरी कई भाषाएं हैं, जिनमें वे ब्रोडकास्ट की जाती हैं

इस तरह से अगर आप देखेंगे तो कई तरह की भाषाएं वहां पर हैं, जिनमें ब्रोडकास्ट होता है और इस बात को देखते हुए क्या आप एक रेडियो स्टेशन और राजस्थान में खोलेंगे क्योंकि वह देश का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। पाकिस्तान से वहां पर बार बार लड़ाई होती रहती है। इस चीज को ध्यान में रखते हुए और इस बात को देखते हुए कि वह भाग बहुत पिछड़ा हुआ है, क्या आप और अधिक स्टेशन वहां पर खोलेंगे। दूसरी बात यह है कि वहां पर रेडियो स्टेशनों पर और अधिक कार्यक्रम चलाए जाएं और टी०वी० पर स्वतंत्र न्यूज प्रसारित करने की वहां पर छूट दी जाए, क्या आप ऐसा करेंगे।

MR. SPEAKER: The question does not arise.

श्री हरिकिनाथ तिवारी : मंत्री जी ने कहा कि जिन स्थानों पर एक से अधिक प्रान्तों को या अधिक पापुलेशन को सर्व करना पड़ता है, वहां सीनियर आफिसर दिये जाते हैं और जहां कम लोगों को सर्व करना पड़ता है, वहां जूनियर आफिसर को लेते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि श्रीनगर या चंडीगढ़ में, इन दोनों को मिला दिया जाए या दो, चार को और मिला दिया जाए, तो भी ये यू०पी० से कम होंगे, बिहार से कम होंगे। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वहां पर जूनियर आफिसर क्यों भेजे गये और सीनियर आफिसर क्यों नहीं भेजे गये और जूनियर और सीनियर आफिसर्स को पोस्ट करने का आप का क्या क्राइटीरिया है ?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष जी, यह प्रश्न जो है, यह तो केवल न्यूज यूनिट के बारे में है, रीजनल न्यूज के बारे में है और रीजनल बुलेटिन्स के बारे में है। जहां तक स्टेशन्स का सवाल है, उन में अधिकारी बहुत ऊंचे लेविल के हैं जैसे उत्तर प्रदेश में लखनऊ है, तो वहां पर रीजनल बुलेटिन्स दो ही प्रसारित होते हैं जबकि श्रीनगर में 8 बुलेटिन्स प्रसारित होते हैं काश्मीरी में और उर्दू में और इसीलिए वहां पर जो इसके लिए अधिकारी है वह ऊंचे लेविल का है लेकिन मैं स्वयं चाहता हूं कि अनेक स्थानों पर विशेषकर स्टेट्स की कैपिटल्स में जैसे लखनऊ में या जयपुर में, अप-ग्रेडेशन की जरूरत मैं अनुभव करता हूं। लेकिन कुछ कारण हैं जिन से अभी यह नहीं हो सकता और जब तक वे कारण हैं, मैं इसके बारे में नहीं कह सकता।

श्री राम कंवर बरेव : यह प्रश्न सीनियर और जूनियर आफिसर्स का समाचार प्रसारण के मामले में पूछा गया है, तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जहां सीनियर आफिसर्स होते हैं और जहां जूनियर आफिसर्स होते हैं, जो समाचार प्रसारण का कार्य करते हैं, उन में क्या अन्तर है। और सीनियर और जूनियर आफिसर्स को पोस्ट करने का मापदंड क्या है, यह मैं जानना चाहता हूं ?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मैं पहले ही प्रमुख प्रश्न के उत्तर में कह चुका हूं कि किसी स्थान पर न्यूज एडीटर और असिसटेंट एडीटर कितने हों, इसकी कसौटी यह है कि वहां से कितने बुलेटिन प्रसारित किये जाते हैं और वे कितने क्षेत्रों और राज्यों को सर्व करते हैं। फिर यह भी देखा जाता है कि कोई स्ट्रेटिजिक फैक्टर तो नहीं है। मैंने ये सब बातें गिनायी है और उन्हीं के आधार पर निर्णय होता है।

श्री सुरेन्द्र झा 'सुमन' : मंत्री महोदय ने बताया हैं कि यू० पी० में दो भाषाओं में बुलेटिन प्रसारित होते हैं। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि बिहार में जब मैथिली भोजपुरी, मगही, उर्दू, हिन्दी सभी विभिन्न भाषाएं हैं तो वहां फिर जूनियर आफिसर रखने का क्या कारण है ?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : पटना से हिन्दी और दो क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन प्रसारित होते हैं।

Demand of Iron and Steel in M. P.

+

*849. DR. VASANT KUMAR PANDIT:

SHRI DAYA RAM SHAKYA:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) what was the total requirement of iron and steel in Madhya Pradesh for the years 1977-78 and how much quantity was actually granted for the two years; the reasons for the short supply; and

(b) whether Government of Madhya Pradesh have requested the Government of India to open a Steel Stockyard at Jabalpur?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK): (a) State-wise figures of requirement of iron and steel are not maintained. However, despatches of iron and steel to Madhya Pradesh from the steel plants in the public sector, including supplies to the Madhya Pradesh Laghu